ओंकारेश्वर में झमाझम बारिश से घाटों पर बाढ़ जैसे हालात

श्रद्धालुओं ने बरती सावधानी और नाविक रहे मुस्तैद

नवभारत न्यूज़

ओंकारेश्वर। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में अचानक हुई तेज बारिश ने घाटों का पूरा दृश्य बदल कर रख दिया और मानसून की चुनौतियों का अहसास करा दिया। कुछ ही देर की झमाझम बारिश के बाद गोमुख घाट, ब्रह्मपुरी घाट और कोटितीर्थ घाट पर पानी तेज बहाव के साथ उतरने लगा, जिससे वहां बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। बारिश का पानी इतनी तेजी से नीचे आया कि घाट की सीढ़ियो ने ही तेज जलधारा का रूप ले लिया।पानी का तेज बहाव देखकर घाटों पर मौजूद श्रद्धालुओं को खासी सावधानी बरतनी पड़ी। सुरक्षा के मद्देनजर कई लोग एक-दूसरे का हाथ पकड़कर धीरे-धीरे और संभलकर रास्ता पार करते नजर आए। हालांकि, कुछ श्रद्धालुओं ने इस रौद्र लेकिन मनमोहक प्राकृतिक दृश्य का आनंद भी लिया और इसे अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया। वहीं, जलस्तर बढ़ता देख घाट किनारे लगी अस्थायी दुकानों तक पानी पहुँचने लगा। हालात को भांपते हुए दुकानदारों ने तुरंत फुर्ती दिखाई और अपने सामान को नुकसान से बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया।इस विपरीत परिस्थिति में ओंकारेश्वर के नाविकों की सतर्कता एक मिसाल बन गई। तेज बारिश के कारण घाट किनारे बंधी नावों में तेजी से पानी भरने लगा था, जिसे नाविकों ने डिब्बों और बाल्टियों की मदद से लगातार बाहर निकाला ताकि नावों का संतुलन न बिगड़े। नाविक संघ के भोलाराम केवट ने बताया कि भारी बारिश और बाढ़ के समय नाविक 24 घंटे शिफ्ट में नावों की निगरानी करते हैं। वे नावों पर ही रहकर भोजन करते हैं, दिन-रात पानी निकालते हैं और रस्सियों को कसकर बांधे रखते हैं। नाविकों की यह मुस्तैदी न केवल उनकी नावों को सुरक्षित रखती है, बल्कि घाट की समग्र व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मरम्मत कार्य अंतिम चरण में, शुक्रवार से खुल सकता है ममलेश्वर सेतु

ज्योतिर्लिंग मंदिर तक पहुंचने के प्रमुख मार्ग ममलेश्वर सेतु (झूला पुल) की मरम्मत का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। पुल का एक हुक क्षतिग्रस्त होने के बाद सुरक्षा कारणों से इसे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए बंद कर दिया गया था। घटना के तुरंत बाद एनएचडीसी के परियोजना प्रमुख धीरेंद्र कुमार द्विवेदी के निर्देशन में तकनीकी टीम ने मरम्मत कार्य शुरू किया गया। हालांकि लगातार बारिश के कारण कार्य प्रभावित हुआ और गुरुवार को पुल पर

आवागमन शुरू नहीं किया जा सका। एनएचडीसी के अधिकारियों के अनुसार यदि मौसम अनुकूल रहा तो शुक्रवार से पुल को आमजन और श्रद्धालुओं के लिए पुनः खोल दिया जाएगा। एनएचडीसी ने स्पष्ट किया है कि पुल की तकनीकी देखरेख और रखरखाव की जिम्मेदारी उसके पास है, जबकि संचालन व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण का दायित्व जिला प्रशासन एवं मंदिर प्रशासन के अधीन है। गौरतलब है कि ममलेश्वर सेतु का हुक टूटने की यह दूसरी घटना है। ऐसे में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुल पर भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा मानकों के प्रभावी पालन को लेकर प्रशासन के सामने चुनौती खड़ी हो गई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस व्यवस्था की जरूरत है।

महापौर ने किया करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का निरीक्षण

ऐतिहासिक कुंडों का हो रहा जीर्णोद्धार

नवभारत न्यूज़

खंडवा शहर में चल रहे करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का महापौर अमृता अमर यादव ने निगमायुक्त, एमआईसी सदस्यों और पार्षदों के साथ बारीकी से निरीक्षण किया। जल संरक्षण और ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने के उद्देश्य से शहर के प्राचीन रामेश्वर कुंड और पदम कुंड का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण करोड़ों रुपये की लागत से किया जा रहा है। समाजसेवी और निगम प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि महापौर पिछले दो दिनों से शहर में चल रहे नवीन नगर निगम भवन सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की गुणवत्ता परख रही हैं और अधिकारियों व ठेकेदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही हैं।गुरुवार दोपहर को महापौर ने लगभग 1 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से हो रहे प्राचीन पदम कुंड के सौंदर्यीकरण कार्य का जायजा लिया। इस योजना के तहत कुंड में एक्टिव स्ट्रीट टाइल्स, चारों ओर स्टील की रेलिंग, बाउंड्री वॉल के साथ ही पर्यटन की दृष्टि से वाटिका और एक भव्य प्रवेश द्वार बनाया जा रहा है। दादा गुरु, संतों और गणमान्य नागरिकों की मांग पर इन ऐतिहासिक कुंडों को सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त रखने के लिए झिलोध्यान में लाखों रुपये की लागत से एक नया कृत्रिम विसर्जन कुंड भी तैयार किया जा रहा है। लगभग 22 फुट गहरे इस नए कुंड में गणेश जी और माता जी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा, ताकि प्राचीन पदम कुंड की पवित्रता बनी रहे।

महापौर ने इस विसर्जन कुंड के कार्यों का भी निरीक्षण कर इसे जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।इसके अलावा शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए झिलोध्यान (इंदौर रोड) से नए बस स्टैंड गौशाला तक बनाई गई नई डामरीकृत सड़क का भी अवलोकन किया गया। जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग पर बनी इस सड़क से बस स्टैंड और दादाजी धाम जाने वाले लोगों को शहर के आंतरिक ट्रैफिक से निजात मिलेगी और आवागमन में सहूलियत होगी। इस अवसर पर महापौर अमृता यादव ने कहा कि हमारी परिषद शहर की जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा रामेश्वर कुंड, पदम कुंड और सूरज कुंड जैसी ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।इस निरीक्षण के दौरान नगर निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, निगमायुक्त प्रियंका राजावत, एमआईसी सदस्य विक्की बावरे, आशीष चटकेले, अनिल वर्मा, उषा दिना पंवार, निगम प्रवक्ता सुनील जैन, पार्षद मोनिका बजाज, संतोष सारवान, वेद प्रकाश माली और कार्यपालन यंत्री राधेश्याम उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बीस महिला स्वयं सहायता समूहों को 1 करोड़ के ऋण वितरित

नवभारत न्यूज़

खंडवा। केआरसेटी प्रशिक्षण केंद्र में मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा वित्तीय समावेशन और स्वयं सहायता समूहों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने हेतु एक विशेष शिविर आयोजित किया गया। इसका मुख्य लक्ष्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना था। शिविर में नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक सी सरस्वती और क्षेत्रीय प्रबंधक रवींद्र कुमार सुथार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सी सरस्वती ने कहा कि महिलाओं में छोटी बचत की आदत और वित्तीय अनुशासन ही समाज के बड़े आर्थिक विकास का मुख्य आधार है। वहीं, उप महाप्रबंधक सलिल झोकरकर ने समूहों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए समय पर वित्तीय सहायता मिलने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर क्रेडिट लिंकेज के तहत 20 महिला स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाने के लिए लगभग 1 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र सौंपे गए। साथ ही, उपस्थित हितग्राहियों को प्रधानमंत्री जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा, सुरक्षा बीमा और अटल पेंशन योजना के लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

अयूब को एनएसए में निरूद्ध रखने की अवधि 25 सितम्बर तक

खण्डवा । राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम तहत निरूद्ध बंदी अयूब पिता इस्माईल अली निवासी मुंदवाड़ा थाना जावर जिला खण्डवा को जेल में निरूद्ध रखने की अवधि 3 माह के लिए बढ़ाने के आदेश जारी किए हैं। इस तरह गृह विभाग ने जिला दण्डाधिकारी खण्डवा द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अधीन जारी किये गए डिटेंशन ऑर्डर की पुष्टि की है।

एक नजर में

जिले में 24 घंटे में 24 .4 मिमी औसत वर्षा दर्ज

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान 24.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार खंडवा तहसील में 54 मिमी, पुनासा में 48 मिमी, पंधाना में 15 मिमी तथा खालवा तहसील में 5 मिमी वर्षा दर्ज की गई। नया हरसूद तहसील में इस अवधि में वर्षा नहीं हुई। वर्तमान मानसून सत्र में 25 जून तक जिले में कुल 56 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार खंडवा में 69 मिमी, नया हरसूद में 46 मिमी, पंधाना में 47 मिमी, पुनासा में सर्वाधिक 103 मिमी तथा खालवा में 15 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। पिछले वर्ष 25 जून तक जिले में 111.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई थी। इस तुलना में इस वर्ष अब तक वर्षा का आंकड़ा कम है, हालांकि हाल के दिनों में मानसून की सक्रियता बढ़ने से कई क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है।वहीं होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इंदिरा सागर जलाशय का वर्तमान जलस्तर 248.11 मीटर दर्ज किया गया है। मानसून की गतिविधियों के चलते जलाशय के जलस्तर पर भी लगातार नजर रखी जा रही है।

रोजगार मेले में 200 युवाओं को मिलेगा नौकरी का अवसर

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए शासकीय आईटीआई खंडवा में 2 जुलाई को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेला आयोजित किया जाएगा। यह मेला सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें प्रदेश की विभिन्न निजी क्षेत्र की कंपनियां तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर भर्ती करेंगी। जिला रोजगार अधिकारी लक्ष्मण सिंह सिलौटे ने बताया कि मेले के माध्यम से लगभग 200 युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। भर्ती प्रक्रिया में 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा (सभी ट्रेड), स्नातक एवं स्नातकोत्तर योग्यता वाले अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं।उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। चयनित उम्मीदवारों को 8 हजार रुपये से 20 हजार रुपये प्रतिमाह तक वेतन दिया जाएगा। इसके अलावा कंपनियों के नियमानुसार अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। रोजगार मेले में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने सभी मूल दस्तावेजों की छायाप्रति, चार पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड तथा रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन कार्ड साथ लाना होगा। जिला रोजगार अधिकारी ने अधिक से अधिक युवाओं से रोजगार मेले का लाभ उठाने की अपील की है।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों में लापरवाही, 8 बीएमओ को थमाए नोटिस

खंडवा। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर जिला प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने लंबित शिकायतों की समीक्षा के दौरान 100 दिन से अधिक समय से लंबित मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। समीक्षा में पाया गया कि स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी कई शिकायतें निर्धारित समय-सीमा के बावजूद लंबित हैं। इसके चलते ओंकारेश्वर, मूंदी, हरसूद, पुनासा, पंधाना, छैगांवमाखन, किल्लौद और खालवा के विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों (बीएमओ) को नोटिस जारी किए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण जन-शिकायत निवारण व्यवस्था है, जिसमें प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। शिकायतों को अनावश्यक रूप से लंबित रखना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित शिकायतों का तत्काल निराकरण कर निर्धारित समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत करें।

आईटीआई में महिलाओं के लिए 518 सीटें, 30 जून तक करें आवेदन

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले में बालिकाओं और महिलाओं को कौशल आधारित शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से बेटी पढ़ेगी, हुनर से जुड़ेगी अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि वर्तमान समय में कौशल शिक्षा रोजगार और आत्मनिर्भरता की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। शासकीय आईटीआई संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवतियों को सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के साथ स्वरोजगार के भी बेहतर अवसर मिलते हैं। प्रवेश सत्र 2026-27 के लिए जिले के 7 शासकीय आईटीआई संस्थानों में कुल 1480 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें 35 प्रतिशत महिला आरक्षण के तहत 518 सीटें बालिकाओं और महिलाओं के लिए निर्धारित की गई हैं। 8वीं और 10वीं उत्तीर्ण छात्राएं 30 जून तक ऑनलाइन आवेदन एवं चॉइस फिलिंग कर प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकती हैं। कलेक्टर ने बताया कि आईटीआई में तकनीकी प्रशिक्षण के साथ पात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति, मार्गदर्शन और प्लेसमेंट की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने जिले की बालिकाओं एवं महिलाओं से इस अवसर का लाभ उठाकर तकनीकी दक्षता हासिल करने और आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया है।

एनएचडीसी ने ग्रिड फेल होने की आपात स्थिति से निपटने की परखी गई तैयारी

नवभारत न्यूज़

ओंकारेश्वर। जल विद्युत परियोजना, एनएचडीसी लिमिटेड के ओंकारेश्वर पॉवर स्टेशन में बुधवार को ग्रिड फेलियर जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का अभ्यास किया गया। यह वार्षिक अभ्यास एसएलडीसी-जबलपुर एवं ओएसपी-छैगाँव सबस्टेशन के साथ मिलकर संयुक्त रूप से किया गया। पश्चिम ग्रिड क्षेत्र की सुरक्षा और त्वरित बहाली के लिए ओंकारेश्वर पॉवर स्टेशन ब्लैक स्टार्ट हेतु एक नोडल पॉवर स्टेशन के रूप में कार्य करता है। ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल की प्रक्रिया मुख्य रूप से उस स्थिति के लिए अपनाई जाती है, जब किसी कारणवश पूरा पावर ग्रिड फेल हो जाता है। इस अभ्यास के माध्यम से बिना किसी बाहरी विद्युत सहायता के पावर स्टेशन को दोबारा चालू कर ग्रिड को शीघ्रता से रिस्टोर करने की तैयारियों को परखा जाता है। इस अभ्यास की सफलता में ओएसपी के परियोजना प्रमुख धीरेन्द्र कुमार द्विवेदी और महाप्रबंधक विनोद कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व और सटीक दिशा-निर्देशों का विशेष योगदान रहा। इस मॉक ड्रिल के अवसर पर पावर स्टेशन के कई प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें एमएस करूणाकरण, पंकज शर्मा, भानु प्रताप पाल, वीके त्रिपाठी, अंसार पीएम, अफजल अली और हेमंत वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रास्ता भटके बुजुर्ग को डायल-112 ने परिजनों से मिलाया

नवभारत न्यूज़

खंडवा। हरसूद थाना क्षेत्र में डायल-112 टीम की तत्परता से रास्ता भटक गए 80 वर्षीय बुजुर्ग को सुरक्षित उनके परिजनों से मिलाया गया। मंगलवार को डायल-112 को सूचना मिली कि हरसूद की चौपाटी स्थित यात्री प्रतीक्षालय में एक बुजुर्ग व्यक्ति बैठे हैं, जो अपने घर का रास्ता भूल गए हैं और उन्हें सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही हरसूद क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन मौके पर पहुंचा। प्रधान आरक्षक शंकर कासदे और पायलट सैय्यद अली ने बुजुर्ग को सुरक्षित संरक्षण में लिया और उनसे बातचीत की। पूछताछ में पता चला कि बुजुर्ग ठीक से देख नहीं सकते हैं तथा अपने भाई के घर जाने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ता भटक गए। बुजुर्ग द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर डायल-112 टीम ने उनके परिजनों का पता लगाया और उन्हें वाहन से नंदगांव पहुंचाकर सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बावड़ी उत्सव मनाया गया

नवभारत न्यूज़

खण्डवा । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत छैगांवमाखन में शीतला माता मंदिर के पास प्राचीन बावड़ी पर ब्लॉक स्तरीय बावड़ी उत्सव कार्यक्रम के तहत बावड़ी पूजन, स्वच्छता की गतिविधि एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। परिषद के जिला समन्वयक जगदीश पटेल ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से सभी पुरानी धरोहरों को सहेजने के लिए नागरिकों को समझाइश दी जा रही है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गांव के सरपंच लखनलाल गोलकर, पंचायत सचिव मनोहर खतवासे, छैगांवमाखन की नवांकुर संस्था के प्रभारी जितेंद्र चंद्रावत, प्रस्फुटन समिति के मनोज सोनी एवं अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

पल्स पोलियो जन जागरुकता रैली कल

खण्डवा । राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 28 जून को 5 वर्ष आयु तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ओपी जुगतावत ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान के सम्बंध में जनजागरुकता के उद्देश्य से 27 जून, शनिवार को प्रात: 9:30 बजे से जन जागरुकता रैली निकाली जायेगी। यह रैली जिला अस्पताल परिसर से शुरू होकर नगर निगम, घंटाघर, बॉम्बे बाजार, बस स्टैण्ड, मछली बाजार, जलेबी चौक से होती हुई जिला चिकित्सालय परिसर खण्डवा में सम्पन्न होगी।

बैठक | कृषि वैज्ञानिकों की सलाह

सूखे की आशंका, फसल चयन में बरतें सावधानी

नवभारत न्यूज़

खंडवा। अलनीनो के प्रभाव और मानसून की अनिश्चितता को देखते हुए कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से कृषि वैज्ञानिकों की सलाह अनुसार फसल चयन करने की अपील की है। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि यदि वर्षा सामान्य से 40 प्रतिशत तक कम रहती है तो उसी के अनुरूप फसलों का चयन किया जाए। साथ ही किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित करने को कहा। बैठक में उप संचालक कृषि नितेश यादव ने किसानों को उपलब्ध नमी और वर्षा जल का अधिकतम उपयोग करने, रिज एंड फरो, रेज बेड तकनीक तथा अंतर्वर्तीय खेती अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कम पानी में पकने वाली और सूखा सहनशील फसलों व किस्मों का चयन करने पर जोर दिया। कृषि विभाग ने किसानों को सोयाबीन के साथ अरहर, उड़द या लोबिया की अंतरवर्तीय खेती अपनाने की सलाह दी है। साथ ही जेएस-2172, एनआरसी-150, एनआरसी-142, एनआरसी-130, जेएस-20-116, जेएस-2069 और जेएस-9560 जैसी सूखा सहनशील सोयाबीन किस्मों की बुवाई करने का सुझाव दिया गया है। कृषि विशेषज्ञों ने वर्षा जल संरक्षण, मल्चिंग और बीज उपचार जैसे उपाय अपनाने की भी सलाह दी है।